मयूरपंख

हिंदी पाठ्यपुस्तक

5

AUGMENTED REALITY
(Android Mobile App)
(See back cover for user guide)

हेल्प लाइन

Scanned with CamScanner

1 संकल्प

हमें पता है

हमारा देश अभी भी अनेक मुश्किलों से जूझ रहा है। कोई भी अकेला व्यक्ति कोशिश करके देश को आगे नहीं बढ़ा सकता। इसके लिए हम सभी को सम्मिलित प्रयास करना होगा।

आओ सोचें

हमें सोचना चाहिए कि देश की ऐसी स्थिति के पीछे क्या कारण हैं। क्या हम इस स्थिति को बदलने में किसी प्रकार योगदान दे सकते हैं?

है शौक[1] यही, अरमान[2] यही,
हम कुछ करके दिखलाएँगे।
मरने वाली दुनिया में हम,
अमरों[3] में नाम लिखाएँगे।

जो लोग गरीब भिखारी हैं,
जिनपर न किसी की छाया है।
हम उनको गले लगाएँगे,
हम उनको सुखी बनाएँगे।

जो लोग अँधेरे घर में हैं,
अपनी ही नहीं नज़र में हैं।
उनके घर के हर कोने में,
उद्यम[4] का दीप जलाएँगे।

जो लोग हारकर बैठे हैं,
उम्मीद[5] मारकर बैठे हैं।
हम उनके बुझे दिमागों में,
फिर से उत्साह जगाएँगे।

शब्दार्थ – 1. रुचि, मनपसंद इच्छा 2. इच्छा 3. कभी न मरने वाला 4. मेहनत 5. आशा

Scanned with CamScanner

रोको मत, आगे बढ़ने दो,
आज़ादी के दीवाने हैं।
हम मातृभूमि की सेवा में,
अपना सर्वस्व[1] लगाएँगे।

हम उन वीरों के बच्चे हैं,
जो धुन[2] के पक्के सच्चे थे।
हम उनका मान बढ़ाएँगे,
हम जग[3] में नाम कमाएँगे।

–रामनरेश त्रिपाठी

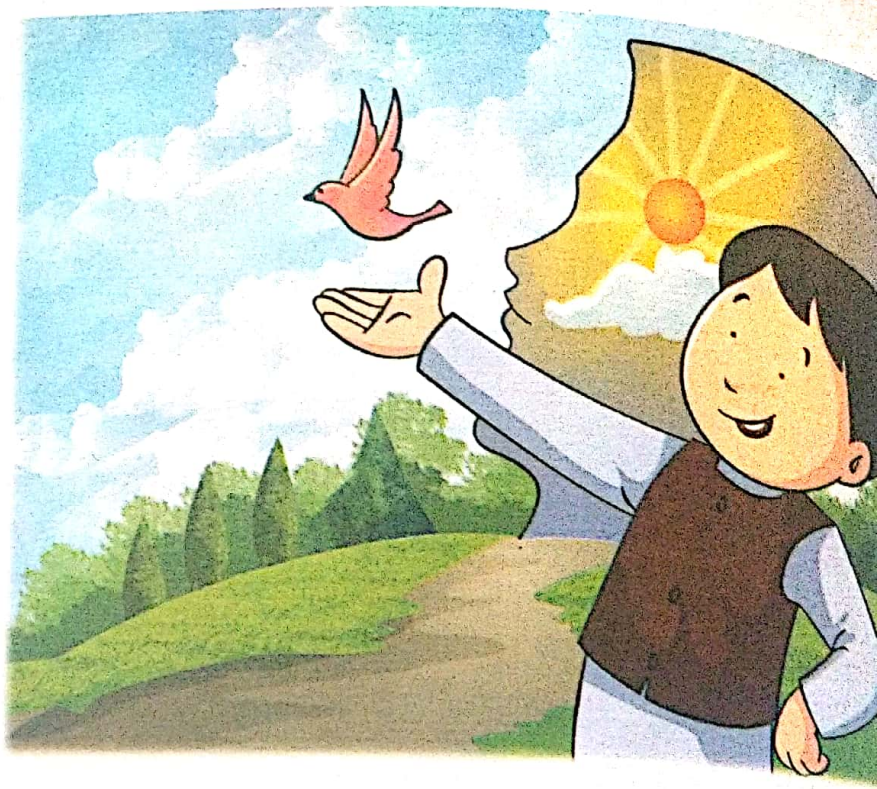

हमने सीखा– हमने अपने कर्तव्य को पहचानना सीखा। हमने सीखा कि किस तरह हमें पढ़-लिखकर अपने देश के विकास में योगदान देना है और उसका गौरव बढ़ाना है।

शब्दार्थ – 1. सब कुछ 2. लगन 3. संसार

अभ्यास

कविता की समझ (Comprehension Skills)

- Listening and Writing Skills
- MCQs
- Oral Expression
- Fill in the Blanks
- True and False
- Written Expression

1. श्रुतलेख

निराश्रित उद्यम उम्मीद मातृभूमि सर्वस्व

2. कविता के अनुसार सही विकल्प पर निशान ✓ लगाइए–

(क) बच्चे गले लगाना चाहते हैं–
(अ) गरीबों को ☐ (ब) बड़ों को ☐ (स) अमीरों को ☐

(ख) बच्चे लोगों के जीवन में दीप जलाना चाहते हैं–
(अ) आशा का ☐ (ब) विश्वास का ☐ (स) उद्यम का ☐

(ग) बच्चे इनकी सेवा में सर्वस्व समर्पित करना चाहते हैं–
(अ) गरीबों की ☐ (ब) मातृभूमि की ☐ (स) दोनों की ☐

(घ) बच्चे स्वयं को संतान बता रहे हैं–
(अ) संतों की ☐ (ब) वीरों की ☐ (स) मातृभूमि की ☐

Scanned with CamScanner

3. इन प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) बच्चे विद्यालय में शिक्षा पाकर क्या करना चाहते हैं?

(ख) बच्चे किनपर सुख बरसाना चाहते हैं?

(ग) बच्चे किसका मान बढ़ाना चाहते हैं?

4. कविता की अधूरी पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

(क) है शौक _____,
_____ दिखलाएँगे।

मरने वाली _____,
_____ लिखाएँगे।

(ख) हम उन _____,
_____ सच्चे थे।

हम उनका _____,
_____ कमाएँगे।

5. सही कथन पर ✓ तथा गलत कथन पर ✗ लगाइए–

(क) बच्चे शिक्षा नहीं पाना चाहते।

(ख) बच्चे निराश लोगों के जीवन में आशा भरना चाहते हैं।

(ग) बच्चों ने स्वयं को आज़ादी का दुश्मन बताया है।

(घ) बच्चे स्वयं को वीरों की संतान बता रहे हैं।

(ङ) बच्चे अपने पूर्वज़ों का मान बढ़ाना चाहते हैं।

6. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) बच्चे क्या संकल्प ले रहे हैं?

(ख) बच्चे उद्यम का दीप कहाँ और क्यों जलाना चाहते हैं?

(ग) बच्चे मातृभूमि के लिए क्या करना चाहते हैं?

मूल्यपरक प्रश्न (Values and Life Skills)

(क) संकल्प में बहुत शक्ति होती है। इसके बल पर मनुष्य बड़े-से-बड़ा काम कर सकता है। अब बताइए कि आप संकल्प के बल पर कौन-सा कठिन काम करना चाहते हैं।

Scanned with CamScanner

(ख) क्या आपने किसी चौराहे पर अपनी उम्र के बच्चों को भीख माँगते देखा है। उन्हें देखकर आपके मन में क्या विचार या भाव उठते हैं? बताइए।

भाषा की समझ (Language and Vocabulary Skills)

- Synonyms
- Compound Words
- New Word Formation
- Sentence Formation

1. समान या एक जैसा अर्थ देने वाले शब्दों को **समानार्थी शब्द** कहते हैं।

इन शब्दों के दो-दो समानार्थी शब्द चुनकर लिखिए–

(क) दुनिया _____ _____

(ख) दीप _____ _____

(ग) घर _____ _____

दीपक विश्व गृह
संसार सदन दीया

2. **इस कविता में आए संयुक्ताक्षरों वाले शब्द चुनकर लिखिए–**

_____ _____ _____ _____

_____ _____ _____

3. **इन शब्दों से एक-एक नया शब्द बनाइए–**

(क) सुख _____ (ख) गरीब _____

(ग) आज़ाद _____ (घ) वीर _____

4. **इन शब्दों से वाक्य बनाइए–**

(क) गरीब _____

(ख) अँधेरा _____

(ग) सेवा _____

(घ) वीर _____

गतिविधियों के आयाम (Dimension of Activities)

- Verbal Literacy
- Creative Writing
- Picture Description
- Project Work
- Conversation

1. आओ बातें करें

मातृभूमि के गौरव में ही हम सबका गौरव होता है। कविता में बच्चे मातृभूमि की सेवा में अपना सर्वस्व समर्पित करना चाहते हैं। आप अपनी मातृभूमि के लिए क्या करना चाहते हैं? कक्षा में बताइए।

2. लेखन कौशल

'मेरा संकल्प' विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए।

Scanned with CamScanner

3. चित्र वर्णन

इस चित्र के विषय में अपने विचार लिखिए–

_____

_____

_____

_____

_____

4. परियोजना कार्य

(क) इस कविता के रचयिता रामनरेश त्रिपाठी हैं। इंटरनेट से उनके बारे में जानकारी प्राप्त करके लिखिए। परियोजना कॉपी में उनका चित्र भी लगाइए।

(ख) देश की सेवा करने वाले कुछ वीरों के चित्र परियोजना कॉपी में लगाकर उनके नाम लिखिए।

5. संवाद

नीचे एक अधूरा वार्तालाप दिया गया है। उचित शब्द चुनकर इसे पूरा कीजिए–

मेहता – तुम्हारा _____ क्या है?

भगतसिंह – मेरा नाम _____ है।

मेहता – तुम _____ कर रहे हो?

भगतसिंह – मैं _____ बो रहा हूँ।

मेहता – ऐसा _____ मेरे बच्चे?

भगतसिंह – अपने देश को _____ कराने के लिए।

मेहता – तुम्हारा _____ क्या है?

भगतसिंह – देश की _____ करना।

धर्म
क्या
भगतसिंह
क्यों
बंदूकें
सेवा
नाम
आज़ाद

अब कक्षा के दो-दो बच्चे बारी-बारी से इस वार्तालाप का अभिनय करें।

Scanned with CamScanner

2 मेरी पहली अदाकारी

हमें पता है

हम सभी को विद्यालय में होने वाली प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों में भाग लेना पसंद होता है। हम सब अपनी-अपनी रुचि के अनुसार अलग-अलग तरह के कार्यक्रमों में भाग लेते हैं। उनसे जुड़े कुछ अनुभव हमें जीवन भर याद रहते हैं।

आओ सोचें

कौन-सी ऐसी घटना है जिसे आप आज भी याद करते हैं? वह खुशी से जुड़ी है अथवा दुख से?

मैं चौथी कक्षा में पढ़ता था। तब स्कूल में खेले गए एक नाटक में पहली बार अदाकारी[1] की थी। नाटक का नाम 'श्रवण कुमार' था और मैं श्रवण कुमार की ही भूमिका निभा रहा था। निर्देशक बना छात्र नौवीं कक्षा का था। उसकी योग्यता का सबसे बड़ा प्रमाण यह था कि वह चश्मा लगाए हुए था। मंच-सज्जा के लिए उसके हुक्म पर हम सभी कलाकार अपने-अपने घरों से धोतियाँ-साड़ियाँ उठा लाए। मंच पर बहती नदी दिखाने के लिए एक तरफ़ वहाँ पानी की बालटी रख दी गई थी, जहाँ गहरी रात में श्रवण कुमार को अंधे माँ-बाप के लिए पानी लेने जाना था। दो लड़के श्रवण कुमार के अंधे माँ-बाप की भूमिका निभा रहे थे।

उन्हें हिदायत[2] दी गई थी कि सारा वक्त आँखें बंद किए रहें। निर्देशक महोदय ने उन्हें मंच के ठीक बीचोंबीच, दर्शकों की ओर मुँह किए, साथ-साथ बिठा दिया था। उनमें से बोधराज, जो माँ की भूमिका निभा रहा था, अपनी माँ की ही साड़ी पहने हुए था। उसकी साड़ी का पल्लू बार-बार उसके सिर से खिसक जाता था।

परदा उठा। मैंने अंधे माँ-बाप के आदेशानुसार कि 'बेटा श्रवण कुमार, बहुत प्यास लगी है', लोटा उठाया और चरण वंदना की। फिर 'नदी' की ओर चल पड़ा। उधर राजा दशरथ बना बालक उछलता, पैंतरे बदलता, अपनी मूँछों को ताव देता हुआ परदे के पीछे से मंच पर आया। पीठ पर बँधे तरकश में से नरसल का तीर निकाला और यह कहते हुए कि 'कौन जानवर नदी के जल को गंदा कर रहा है', अपना तीर चला दिया।

शब्दार्थ – 1. नाटक आदि में भाग लेना 2. चेतावनी

Scanned with CamScanner

तीर सीधा मेरी तरफ़ आया और मैंने उसी क्षण लोटा फेंक दिया। चारों खाने चित्त होकर स्टेज पर लेट गया और सप्तम सुर में गाने लगा–

मैंने जालिम[1] तेरा क्या बिगाड़ा,
तीर मेरे सीने में क्यों मारा!
क्या खता[2] थी, बता मेरी आखिर,
क्यों अभागे को जल भरते मारा?

मेरी आवाज़ सप्तम सुर में चल रही थी, जिस कारण हॉल में सन्नाटा छा गया। मैं बराबर गाए जा रहा था, पर गीत इतना लंबा था कि खत्म होने को ही नहीं आ रहा था। उधर राजा दशरथ, एक पैर आगे, एक पैर पीछे रखे, पोज़ बनाए खड़ा था। उसका तीर-कमान मेरी दिशा में स्थिर हो गया था।

अगर वह तरकश में से एक और तीर निकालकर मेरी ओर चला देता, तो बात बन जाती। पर उसे निर्देशक ने एक ही तीर चलाने को कहा था। और, वह तीर चला चुका था। मेरा गीत अभी आधा भी नहीं गाया गया था कि मेरी आवाज़ फटने लगी। मुझे लगा, जैसे हॉल में बैठे दर्शक हँसने लगे हैं। उधर श्रवण कुमार के अंधे माँ-बाप आँखें बंद किए बैठ ही नहीं पा रहे थे। कभी एक, तो कभी दूसरा अपनी आँखें खोल देता, जिसे देखकर दर्शक हँसने लगते और कह उठते, "वह देख, उसने फिर आँखें खोली हैं।"

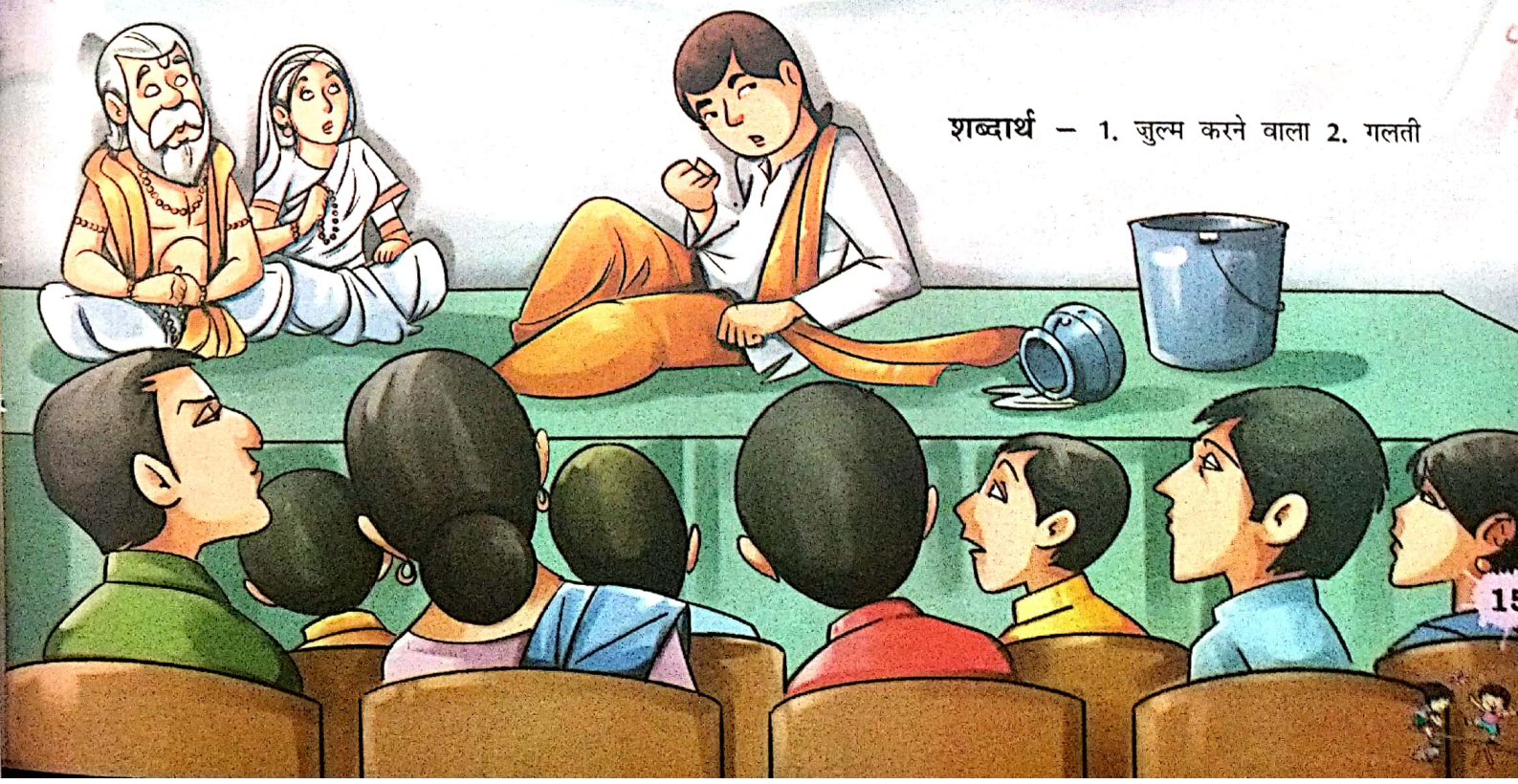

शब्दार्थ – 1. जुल्म करने वाला 2. गलती

Scanned with CamScanner

सहसा हॉल में ठहाका हुआ। बोधराज के सिर पर से, जो अंधी माँ की भूमिका में था, साड़ी का पल्लू खिसक गया था जिसके नीचे से उसका घुटा हुआ सिर निकल आया था। फिर किसी ने ऊँची आवाज़ में कहा, "वह देख, फिर से देख रहा है। उसने फिर से आँखें खोल दी हैं।"

हॉल में बार-बार ठहाके गूँजने लगे। बार-बार तालियाँ बजने लगीं। फिर जब मैंने गीत समाप्त करके, तड़पकर मरने का अभिनय किया तो हॉल में सीटियाँ बज रही थीं। मेरी कक्षा के एक अध्यापक मेरे भाई बलराज से कह रहे थे, "यह तेरा भाई क्या कर रहा है?"

मेरी मृत्यु के बाद अभी और संवाद बोले जाने थे– बूढ़े माँ-बाप के साथ राजा दशरथ के संवाद, और अंधे माँ-बाप को अभी शाप देना था। पर, नाटक का शेष भाग मैं भूल गया और झट से उठ बैठा। इससे हॉल में हँसी के फव्वारे फूट पड़े। किसी ने आवाज़ लगाई, "लेटा रह, लेटा रह।"

पर, मैं इतना बेसुध[1] हो गया था कि मेरी समझ में नहीं आ रहा था कि क्या करूँ! मुझे और कुछ नहीं सूझा तो फिर लेट गया। इसपर ऐसी तालियाँ बजने लगीं कि थमने[2] में नहीं आती थीं। सीटियाँ, तालियाँ, ठहाके, तरह-तरह की आवाज़ें देर तक चलती रहीं। यह मेरी पहली अदाकारी थी।

–भीष्म साहनी

हमने सीखा– इस पाठ से हमने आज्ञाकारी श्रवण कुमार की तरह सुपुत्र बनना सीखा। इसके साथ ही हमने अदाकारी के दौरान होने वाली भूलों को जाना और सचेत रहने की सीख ली।

शब्दार्थ – 1. बेजान की तरह 2. रुकना

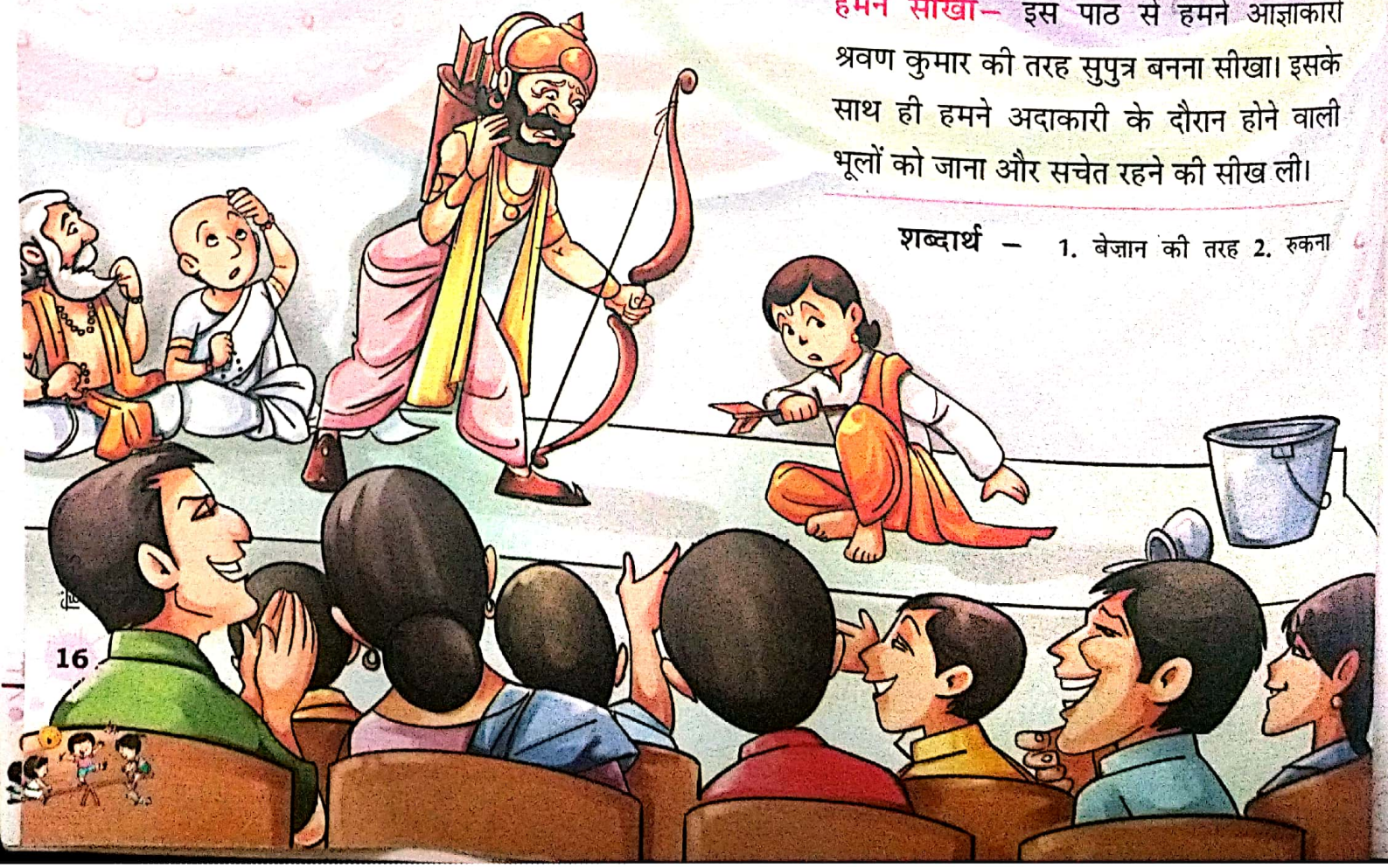

Scanned with CamScanner

अभ्यास

पाठ की समझ (Comprehension Skills)

- Listening and Writing Skills
- MCQs
- Oral Expression
- Fill in the Blanks
- Written Expression

1. श्रुतलेख

श्रवण	सज्जा	दर्शक	निर्देशक
सप्तम	सन्नाटा	पल्लू	फव्वारे

2. पाठ के अनुसार सही विकल्प पर निशान (✓) लगाइए–

(क) आँखें बंद किए रखने की हिदायत दी गई थी–

(अ) दशरथ को ☐ (ब) श्रवण को ☐

(स) श्रवण के माता-पिता को ☐

(ख) लेखक ने पहली बार इस नाटक में अदाकारी की थी–

(अ) श्रवण कुमार ☐ (ब) सुदामा चरित्र ☐ (स) राजा हरिश्चंद्र ☐

(ग) निर्देशक की भूमिका इस कक्षा का छात्र निभा रहा था–

(अ) सातवीं कक्षा ☐ (ब) आठवीं कक्षा ☐ (स) नौवीं कक्षा ☐

(घ) श्रवण कुमार की माँ की भूमिका निभाने वाले छात्र का नाम था–

(अ) युवराज ☐ (ब) बोधराज ☐ (स) वरदराज ☐

(ङ) श्रवण कुमार को इस पात्र ने तीर मारा था–

(अ) दशरथ ने ☐ (ब) राम ने ☐ (स) लक्ष्मण ने ☐

3. इन प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) नाटक खेलते समय लेखक कौन-सी कक्षा में पढ़ते थे?

(ख) मंच पर नदी दिखाने के लिए क्या किया गया था?

(ग) लेखक ने पहली बार किसकी भूमिका निभाई?

(घ) निर्देशक ने दशरथ से कितने तीर चलाने को कहा था?

4. उचित शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए–

(क) किसी ने आवाज़ _____, "लेटा रह, लेटा रह।" **(लगाई/बुलाई)**

(ख) दशरथ का तीर-कमान _____ दिशा में स्थिर हो गया था। **(दूसरी/मेरी)**

(ग) श्रवण कुमार के अंधे माँ-बाप _____ बंद किए बैठ नहीं पा रहे थे। **(दरवाज़े/आँखें)**

(घ) हॉल में बार-बार _____ गूँजने लगे। **(ठहाके/दर्शक)**

(ङ) लेखक ने तड़पकर _____ का अभिनय किया। **(डरने/मरने)**

Scanned with CamScanner

5. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) निर्देशक की योग्यता का सबसे बड़ा प्रमाण क्या था और क्यों?

(ख) श्रवण कुमार के माँ-बाप की भूमिका निभाने वालों को क्या हिदायत दी गई थी?

(ग) दशरथ ने क्या कहते हुए तीर चला दिया?

(घ) लेखक की आवाज़ कब फटने लगी?

(ङ) श्रवण की मृत्यु के अभिनय के बाद कौन-कौन से अभिनय निभाए जाने बाकी थे?

मूल्यपरक प्रश्न (Values and Life Skills)

(क) श्रवण कुमार की माता-पिता के प्रति भक्ति संसार-प्रसिद्ध है। हमारे माता-पिता हमारे लिए बहुत कुछ करते हैं। अब बताइए कि आप अपने माता-पिता के लिए क्या-क्या करना चाहते हैं?

(ख) लेखक ने अपनी पहली अदाकारी में हुई गलतियों के बारे में सच-सच बतलाया। सत्य बोलना बहुत अच्छी बात है। क्या आपमें यह गुण है? यदि नहीं तो बताइए कि आप इस गुण को क्यों अपनाना चाहेंगे?

भाषा की समझ (Language and Vocabulary Skills)

- Kinds of Noun
- Opposite Words
- Change of Numbers

1. नाम का बोध कराने वाले शब्द **संज्ञा** कहलाते हैं। ये तीन प्रकार के होते हैं–

* किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान आदि का बोध कराने वाले संज्ञा शब्द **व्यक्तिवाचक संज्ञा** कहलाते हैं।
* किसी जाति या वर्ग का बोध कराने वाले संज्ञा शब्द **जातिवाचक संज्ञा** कहलाते हैं।
* अवस्था और मन के भावों के नाम **भाववाचक संज्ञा** कहलाते हैं।

इन वाक्यों में रंगीन संज्ञा शब्दों के भेद लिखिए–

(क) निर्देशक बना छात्र नौवीं कक्षा का था. _____

(ख) वहाँ पानी की बालटी रख दी गई थी. _____

(ग) बोधराज माँ की भूमिका निभा रहा था. _____

(घ) दशरथ ने उस दिशा में तीर चला दिया. _____

(ङ) निर्देशक ने उसे एक ही तीर चलाने को कहा था. _____

(च) यह मेरी पहली अदाकारी थी. _____

(छ) इससे हॉल में हँसी के फव्वारे फूट पड़े. _____

Scanned with CamScanner

2. उलटे अर्थ वाले शब्द **विलोम शब्द** कहलाते हैं।

इन शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

(क) रात × _____ (ख) हँसना × _____

(ग) बड़ा × _____ (घ) मृत्यु × _____

(ङ) पहली × _____ (च) एक × _____

3. शब्द के जिस रूप से उसकी संख्या का बोध हो उसे **वचन** कहते हैं। वचन दो प्रकार के होते हैं– **एकवचन** और **बहुवचन**।

नीचे दिए गए शब्दों को बहुवचन रूप में बदलिए–

(क) धोती – **धोतियाँ** (ख) आँख – _____

(ग) साड़ी – _____ (घ) लड़का – _____

(ङ) ताली – _____ (च) ठहाका – _____

(छ) नदी – _____ (ज) आवाज़ – _____

गतिविधियों के आयाम (Dimension of Activities)

- Listening Skill
- Creative Writing
- Acting
- Verbal Literacy

1. श्रवण कौशल

श्रवण कुमार के माता-पिता ने दशरथ को पुत्र-वियोग में मरने का शाप दिया था जो सच साबित हुआ था। इससे जुड़ी कहानी अपने दादा-दादी या नाना-नानी से सुनिए।

2. मेरा सच्चा अनुभव

'जब मुझसे भूल हुई'– इस विषय पर अपना वास्तविक अनुभव लिखिए।

3. खेल-खेल में

कक्षा के बच्चे अलग-अलग जानवरों के मुखौटे लगाकर मंच पर उनकी तरह ही हरकत और हाव-भाव करते हुए आपस में बातचीत करें। कुछ बच्चे पेड़-पौधे भी बन सकते हैं।

4. मेरा पुस्तक-प्रेम

'श्रवण कुमार' और 'सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र' नाटक ने महात्मा गांधी के जीवन पर बहुत प्रभाव डाला था। दोनों पुस्तकें खरीदकर पढ़िए। इन पुस्तकों के जिस अंश ने आपको प्रभावित किया, उसके बारे में अपने मम्मी-पापा को बताइए।

Scanned with CamScanner

3 कोणार्क का सूर्य मंदिर

हमें पता है

हमारा देश भौगोलिक विविधता के लिए जाना जाता है। इसके साथ-साथ हमारे देश में स्थान-स्थान पर स्थापत्य कला के इतने सुंदर उदाहरण बिखरे पड़े हैं, जिन्हें देखकर मन में इतिहास जीवित हो उठता है।

आओ सोचें

देश भर में विद्यमान स्थापत्य कला के ये उदाहरण हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं। यदि कोई इन्हें क्षति पहुँचाए तो आपको कैसा महसूस होगा?

प्राचीन समय की इमारतें हमारी अनमोल धरोहर[1] हैं। इनसे हमें उस ज़माने की समृद्ध और सुंदर वास्तुकला[2] का पता चलता है। ओडिशा के सागर-तट पर स्थित कोणार्क का सूर्य मंदिर ऐसी ही एक सुंदर प्राचीन इमारत है। इसे देखने प्रतिदिन देश-विदेश से सैकड़ों सैलानी[3] आते हैं। कोणार्क पुरी से लगभग पैंतीस किलोमीटर तथा भुवनेश्वर से लगभग पैंसठ किलोमीटर की दूरी पर है। वहाँ जाने के लिए रेलगाड़ी से पुरी या भुवनेश्वर पहुँचना होता है जहाँ से बस या टैक्सी द्वारा कोणार्क जाया जा सकता है। हाँ, हवाई जहाज़ से जाना हो तो देश के अलग-अलग भागों से भुवनेश्वर तक की उड़ानें उपलब्ध हैं।

हम भी इस बार कोणार्क की यात्रा पर निकल पड़े और पुरी पहुँच गए। पुरी से हम कोणार्क के लिए चले तो हमें रास्ता बहुत अच्छा लगा। यह पूरा रास्ता समुद्र के किनारे-किनारे बना है। समुद्री

शब्दार्थ – 1. विरासत 2. निर्माण करने का ढंग 3. घूमने आने वाले लोग, पर्यटक

Scanned with CamScanner

हवाओं के संग लहराते नारियल के पेड़ पूरे रास्ते नज़र आते रहे। उनके पीछे कई बार विशाल सागर भी नज़र आ जाता था। कोणार्क का सूर्य मंदिर समुद्र-तट से थोड़ी ही दूरी पर है। इसका निर्माण तेरहवीं शताब्दी के अंतिम वर्षों में राजा नरसिंह देव ने करवाया था। यह मंदिर बारह सौ शिल्पकारों के कला-कौशल से बारह वर्षों में बनकर तैयार हुआ था। कोणार्क का अर्थ है– 'सूर्य का कोण'। इस मंदिर का निर्माण कुछ इस प्रकार किया गया है कि सूर्योदय की किरणें सर्वप्रथम मंदिर के पूर्वी भाग में प्रवेश द्वार पर पड़ती हैं।

कोणार्क पहुँचकर पता चला कि बंगाल की खाड़ी के समुद्री मार्ग से जाने वाले यूरोपीय जहाज़ियों को भी यह विशाल मंदिर अपनी तरफ़ खींचता था। उन्होंने इसे 'ब्लैक पैगोडा' नाम दिया था। सूर्य मंदिर के निकट पहुँचते ही हम इस मंदिर का विशाल रूप देखकर चकित रह गए। यह मंदिर चौबीस पहियों वाले रथ के आकार में बना है जिसपर सूर्य देवता विराजमान हैं। ये पहिये हमारे समय-चक्र को दर्शाते हैं। इनकी बनावट इस प्रकार की गई है कि इनकी तीलियों पर पड़ने वाली छाया से हम दिन का समय बता सकते हैं। इस प्रकार, ये पहिये धूपघड़ी का काम करते हैं।

मंदिर के प्रवेश द्वार पर सीढ़ियों के दोनों ओर हमने शेरों की दो प्रतिमाएँ देखीं, जिन्होंने हाथियों को दबोच रखा था। मंदिर की दीवारों पर कहीं देवी-देवताओं की मूर्तियाँ बनी थीं तो कहीं नाचती हुई अप्सराओं की मूर्तियाँ बनी थीं।

हमें पता चला कि कोणार्क के सूर्य मंदिर का एक भाग सोलहवीं-सत्रहवीं शताब्दी में समुद्री हवाओं के तेज़ झोंकों की चपेट में आकर गिर चुका है। हमने देखा कि बचे हुए हिस्से की तीनों दीवारों पर सूर्य भगवान की मनमोहक मूर्तियाँ बनी थीं।

मंदिर के चारों ओर हरा-भरा सुंदर उद्यान था। मंदिर के निकट एक पुरातत्व संग्रहालय था। मंदिर के सामने एक छोटा-सा बाज़ार था जहाँ से हमने उड़ीसा के हस्तशिल्प की सुंदर वस्तुएँ खरीदीं।

भारत के सात आश्चर्यों में कोणार्क के सूर्य मंदिर की गिनती होती है। इतना ही नहीं, यूनेस्को[1] ने इसे सन् 1984 में 'विश्व धरोहर' में शामिल कर लिया है। ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के इस मंदिर के दर्शन करके हम धन्य हो गए। वहाँ की यादें समेटे हम लौट चले।

–सुनयना शर्मा

हमने सीखा– इस पाठ में हमने उड़ीसा के सागर-तट पर बने कोणार्क के सूर्य मंदिर की सैर की। इसके भव्य रूप को देखकर हमने अपनी ऐतिहासिक इमारतों के गौरवशाली इतिहास को जाना।

शब्दार्थ – 1. संयुक्त राष्ट्र आर्थिक सामाजिक सांस्कृतिक संगठन

Scanned with CamScanner

अभ्यास

पाठ की समझ (Comprehension Skills)

- Listening and Writing Skills
- MCQs
- Oral Expression
- Fill in the Blanks
- Written Expression

1. श्रुतलेख

कोणार्क	प्राचीन	निर्माण	सर्वप्रथम
उपलब्ध	समृद्ध	प्रवेश	हस्तशिल्प

2. पाठ के अनुसार सही विकल्प पर निशान (✓) लगाइए–

(क) कोणार्क का सूर्य मंदिर भारत के इस राज्य में स्थित है–

(अ) गुजरात ☐ (ब) ओडिशा ☐ (स) पंजाब ☐

(ख) कोणार्क के सूर्य मंदिर का निर्माण इस शताब्दी में हुआ था–

(अ) बारहवीं ☐ (ब) तेरहवीं ☐ (स) चौदहवीं ☐

(ग) कोणार्क के सूर्य मंदिर का निर्माण इतने वर्षों में पूरा हुआ था–

(अ) 10 वर्ष ☐ (ब) 11 वर्ष ☐ (स) 12 वर्ष ☐

(घ) कोणार्क के सूर्य मंदिर की बनावट है–

(अ) रथ जैसी ☐ (ब) हाथी जैसी ☐ (स) महल जैसी ☐

(ङ) कोणार्क के सूर्य मंदिर को विश्व धरोहर का दर्ज़ा दिया था–

(अ) भारत सरकार ने ☐ (ब) यूनेस्को ने ☐ (स) दोनों ने ☐

3. इन प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) कोणार्क का क्या अर्थ है?

(ख) मंदिर की सीढ़ियों के दोनों ओर किसकी मूर्तियाँ बनी थीं?

(ग) यूनेस्को ने कोणार्क के सूर्य मंदिर को कौन-सा दर्ज़ा दिया है?

4. उचित शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए–

(क) हम भी इस बार _____ की यात्रा पर निकल पड़े। (**कोणार्क / हरिद्वार**)

(ख) कोणार्क का पूरा रास्ता _____ के किनारे-किनारे बना है। (**नदी / समुद्र**)

(ग) कोणार्क के सूर्य मंदिर के प्रवेश द्वार पर _____ की दो प्रतिमाएँ बनी थीं। (**शेरों / बाघों**)

(घ) कोणार्क का सूर्य मंदिर _____ पहियों वाले रथ के आकार में बना है। (**बारह / चौबीस**)

Scanned with CamScanner

5. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) कोणार्क के सूर्य मंदिर की सैर करने के लिए कैसे-कैसे जाया जा सकता है?

(ख) कोणार्क मंदिर का निर्माण कब और कैसे हुआ?

(ग) कोणार्क के भव्य सूर्य मंदिर का वर्णन कीजिए।

(घ) यूरोपीय जहाज़ियों ने कोणार्क के सूर्य मंदिर को क्या नाम दिया था?

मूल्यपरक प्रश्न (Values and Life Skills)

(क) प्राचीन इमारतों को नुकसान नहीं पहुँचाना चाहिए। हमें उनकी रक्षा किस प्रकार करनी चाहिए? बताइए।

(ख) कोणार्क का सूर्य मंदिर समय का प्रतीक है। हमें अपने समय का सदुपयोग करना चाहिए। समय को व्यर्थ नष्ट नहीं करना चाहिए। आप अपने खाली समय का सदुपयोग किस प्रकार करते हैं? बताइए।

भाषा की समझ (Language and Vocabulary Skills)

- Pronoun
- Separation of Letters
- Opposite Words
- Sentence Formation

1. संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त किए जाने वाले शब्द **सर्वनाम** कहलाते हैं।

इन वाक्यों में प्रयुक्त सर्वनाम शब्दों को चुनकर लिखिए–

(क) हम कोणार्क का सूर्य मंदिर देखने गए। _____

(ख) उन्होंने इस मंदिर को 'ब्लैक पैगोडा' नाम दिया। _____

(ग) वहाँ एक छोटा-सा बाज़ार भी है। _____

(घ) मैंने रथ के पहिये पर पड़ने वाली छाया देखी। _____

(ङ) आप भी कोणार्क का सूर्य मंदिर देखकर हैरान हो जाएँगे। _____

(च) प्राचीन समय की इमारतें हमारी अनमोल धरोहर हैं। _____

2. किसी शब्द के वर्णों को अलग-अलग करके लिखना **वर्ण-विच्छेद** कहलाता है। जैसे–

समुद्र = स् + अ + म् + ऊ + द् + र् + अ।

अब इन शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए–

(क) प्राचीन = _____

(ख) कोणार्क = _____

(ग) समृद्ध = _____

(घ) दृश्य = _____

Scanned with CamScanner

3. रंगीन शब्दों के उलटे अर्थ वाले शब्दों से रिक्त स्थान भरिए–

लघु　　निकास　　विदेश　　बड़ा　　नवीन

(क) इस मंदिर को देखने के लिए देश ही नहीं, _____ से लाखों सैलानी आते हैं।

(ख) विशाल सागर के सामने नदी बहुत _____ होती है।

(ग) मंदिर में प्रवेश और _____ के द्वार अलग-अलग हैं।

(घ) यह प्राचीन मंदिर आज भी _____ प्रतीत होता है।

(ङ) प्रवेश द्वार छोटा पर मंदिर बहुत _____ है।

4. इन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) दृश्य _____

(ख) बनावट _____

(ग) रास्ता _____

(घ) इमारत _____

गतिविधियों के आयाम (Dimension of Activities)

- Group Activity
- Project Work
- Verbal Literacy

1. सामूहिक गतिविधि

कक्षा के बच्चे चार-पाँच समूहों में बँट जाएँ। प्रत्येक समूह कोणार्क के सूर्य मंदिर का चित्र चार्ट पेपर पर चिपकाए और उसके नीचे मंदिर की कुछ विशेषताएँ लिखे। ध्यान रहे, प्रत्येक समूह द्वारा लिखी विशेषताएँ दूसरे समूह की विशेषताओं से मेल न खाती हों।

2. प्रोजेक्ट कार्य

दिल्ली और जयपुर स्थित वेधशालाओं (जंतर-मंतर) में घूमने जाएँगे तो वहाँ भी आप धूपघड़ी देख सकते हैं। इनमें से किसी एक वेधशाला से संबंधित प्रोजेक्ट तैयार कीजिए।

3. ईश्वर एक है

मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे और गिरजाघर हमें एक ही संदेश देते हैं–'हम एक ही ईश्वर की संतान हैं।' इससे संबंधित विचार कक्षा में प्रस्तुत कीजिए।

Scanned with CamScanner